Six-day training of BPrS officers starts at CIMP

OUR CORRESPONDENT

PATNA: A six-day training programme for Bihar Prison Service (BPrS) Officers was inaugurated in Chandragupt Institute of Management Patna on Monday by Shri K. Senthil Kumar, IAS, Secretary, Home Department, Govt. of Bihar. In his inaugural address he said that if there is a perception in the society about the jailer that he is a jailer, he will send anyone to jail. It has generally been seen that people in the society start behaving like the one they live with, even if they are thieves. He further said as an example that there was a criminal in Maharashtra, who read the auto biography of Mahatma Gandhi in the jail library, when asked by the judge, did you commit this crime, he says that whatever I have done sir, done by mistake. I accept whatever punishment I get for this. Then the prisoner after serving his sentence got out and started working on social service. That is to say, even by going to jail, you can be linked with the main stream of the society by bringing changes in the prisoners through your systems.

Dr. V. Mukunda Das in his welcome address said that this type of MDP is being organized for the second time in our institute. He said that this training is basically to reorient the perspective and perception. He further said that the world is changing, you also need to change. This is the main objective of this entire training program. He also said that Bihar has the largest number of people who died in the freedom struggle in the country.

Shri Mithilesh Mishra, IAS, IG-Prisons, Bihar was present in this program as a Guest of Honour. In his address said that the prison department is doing very critical job in managing the jails and human resources. He asked the participating officers to apply the management learnings from CIMP with the respective jails. So that they can reform at least some of the inmates he become civilized citizens.

Creative Thinker-Writer-Graphologist Dr. Prasad Sundararajan in his address said that freedom is a great paradox of the present situation. Creativity is all about freedom. He further said that all wrong-doers are very creative in their approach and therefore the jail authorities need to adopt a doubly creative approach to outsmart them. He also said that this programme is the wonderful opportunity in between you have freedom to discover what the course pattern significant contents of indicating. Take this wonderful opportunity at CIMP and reflect and understand how come those queries and perspective managing life, work and relation. Try to become great genius.

Vote of thanks given by Prof. Sudeep Rohit.

Six-day training of BPrS officers starts at CIMP

A six-day training programme for Bihar Prison Service (BPrS) Officers was inaugurated in Chandragupt Institute of Management Patna on Monday by Shri K. Senthil Kumar, IAS, Secretary, Home Department, Govt. of Bihar. In his inaugural address he said that if there is a perception in the society about the jailer that he is a jailer, he will send anyone to jail. It has generally been seen that people in the society start behaving like the one they live with, even if they are thieves. He further said as an example that there was a criminal in Maharashtra, who read the auto biography of Mahatma Gandhi in the jail library, when asked by the judge, did you commit this crime, he says that whatever I have done sir, done by mistake. I accept whatever punishment I get for this. Then the prisoner after serving his sentence got out and started working on social service. That is to say, even by going to jail, you can be linked with the main stream of the society by bringing changes in the prisoners through your systems.

Dr. V. Mukunda Das in his welcome address said that this type of MDP is being organized for the second time in our institute. He said that this training is basically to reorient the perspective and perception. He further said that the world is changing, you also need to change. This is the main objective of this entire training program. He also said that Bihar has the largest number of people who died in the freedom struggle in the country.

Shri Mithilesh Mishra, IAS, IG-Prisons, Bihar was present in this program as a Guest of Honour. In his address said that the prison department is doing very critical job in managing the jails and human resources. He asked the participating officers to apply the management learnings from CIMP with the respective jails. So that they can reform at least some of the inmates he become civilized citizens.

Creative Thinker-Writer-Graphologist Dr. Prasad Sundararajan in his address said that freedom is a great paradox of the present situation. Creativity is all about freedom. He further said that all wrong-doers are very creative in their approach and therefore the jail authorities need to adopt a doubly creative approach to outsmart them. He also said that this programme is the wonderful opportunity in between you have freedom to discover what the course pattern significant contents of indicating. Take this wonderful opportunity at CIMP and reflect and understand how come those queries and perspective managing life, work and relation. Try to become great genius.

Vote of thanks given by Prof. Sudeep Rohit.

Morning India ! Page.NO-03 ! Dated:21-12-2021

जेल की व्यवस्था का सदुपयोग कर जुड़ सकते हैं समाज से

सीआईएमपी में 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू, दुनिया बदल रही है, आपको भी बदलना होगा

एजुकेशन रिपोर्टर . पटना

जेलर को लेकर समाज में एक धारणा है कि जेलर है तो वह किसी को भी जेल भेज देगा। समाज में लोग जिसके साथ रहते हैं उसी के जैसा वह व्यवहार भी करने लगते हैं, चाहे वो चोर क्यों न हो। उदाहरण देते हुए गृह विभाग के सचिव सेंथिल कुमार ने कहा कि महाराष्ट्र में एक अपराधी था, जिसने जेल की लाइब्रेरी में महात्मा गांधी जी की ऑटोबायोग्राफी पढ़ी। उसके बाद जब उससे पूछा गया क्या आपने यह अपराध किया है।

वह बोलता है कि सर जो भी मैंने किया है यह गलती से किया है। इसके लिए मुझे जो भी सजा मिले, मंजूर है। फिर वह कैदी अपनी सजा काटकर बाहर निकलने के बाद सामाजिक सेवा का काम करने लगा। इससे हम यह सीखते हैं कि जेल जाकर भी आप वहां की व्यवस्थाओं का सदुपयोग कर खुद को समाज की मुख्य धारा से जोड़ सकते हैं। ये बातें सीआईएमपी में छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन गृह विभाग के सचिव के सेंथिल कुमार ने कहा। चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में सोमवार से बिहार जेल सेवा यानी बीपीआरएस अधिकारियों के लिए छह दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि हमारे संस्थान में इस प्रकार का एमडीपी दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मूल रूप से परिप्रेक्ष्य और धारणा को नया रूप देने के लिए है। उन्होंने यह भी कहा कि देश में स्वतंत्रता संग्राम में मरने वालों की संख्या सबसे ज्यादा बिहार में है।

मौके पर कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि आईएएस, महानिरीक्षक-कारागार मिथिलेश मिश्रा ने कहा कि विभाग जेलों और मानव संसाधन के प्रबंधन में बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। रचनात्मक विचारक-लेखक-ग्राफोलॉजिस्ट डॉ. प्रसाद सुंदरराजन ने कहा कि स्वतंत्रता वर्तमान स्थिति का एक बड़ा विरोधाभास है। रचनात्मकता सभी स्वतंत्रता के बारे में है।

उन्होंने आगे कहा कि सभी गलत करने वाले अपने दृष्टिकोण में बहुत रचनात्मक हैं और इसलिए जेल अधिकारियों को उन्हें बाहर निकालने के लिए दोहरा रचनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है।

Dainik Bhaskar ! Page.No-11 ! Dated:21-12-2021

कैदियों को लाया जा सकता है समाज की मुख्यधारा में : सेंथिल

पटना (एसएनबी)। चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (सीआइएमपी) में सोमवार को बिहार जेल सेवा (बीपीआरएस) अधिकारियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण की शुरूआत हुई। उद्घाटन गृह सचिव के सेंथिल कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि जेलर के बारे में समाज में परसेप्सन है कि वह किसी को भी जेल भेज देगा। आमतौर पर देखा गया है कि समाज में लोग जिसके साथ रहते हैं उसी के जैसा वह व्यवहार भी करने लगते हैं चाहें वो चोर क्यों न हो। उन्होंने उदाहरण के तौर पर कहा कि महाराष्ट्र में एक क्रिमिनल था, जिन्होंने जेल की लाइब्रेरी में महात्मा गांधी की ऑटो बायोग्राफी पढ़कर जज के पूछे जाने पर क्या आपने यह क्राइम किया है, बोला कि सर जो भी मैंने किया है यह गलती से किया है। इसके लिए मुझे जो भी सजा मिले मुझे मंजूर है। फिर वह कैदी अपनी सजा काटकर बाहर निकलने के बाद सामाजिक सेवा करने लगा। यानि जेल जाकर भी आप अपने व्यवस्थाओं से कैदियों में बदलाव लाकर उसे समाज की मुख्यधारा से जोड़ सकते हैं। सीआईएमपी के निदेशक डॉ. वी मुकुंद दास ने कहा कि इस संस्थान में इस प्रकार का एमडीपी दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण मूल रूप से परिप्रेक्ष्य और धारणा को नया रूप देने के लिए है। उन्होंने कहा कि दुनिया बदल रही है, आपको भी बदलने की जरूरत है। यही इस संपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। कार्यक्रम में आईएएस, महानिरीक्षक-कारागार मिथिलेश मिश्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। रचनात्मक विचारक-लेखक-ग्राफोलजिस्ट डॉ. प्रसाद सुंदरराजन ने भी विचार व्यक्त किये।

सीआईएमपी में बिहार जेल सेवा के अधिकारियों का छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

Rashtriya Sahara ! Page.NO-04
Dated:21-12-2021

बिहार जेल सेवा के अधिकारियों का छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

पटना/का.सं। सोमवार को पटना के चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में बिहार जेल सेवा अधिकारियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन गृह विभाग के सचिव के सेंथिल कुमार ने किया । उन्होंने अपने भाषण में कहा कि जेलर को लेकर समाज में जो परसेप्सन है कि जेलर है तो वह किसी को भी जेल भेज देगा। आमतौर पर देखा गया है कि समाज में लोग जिसके साथ रहते हैं उसी के जैसा वह व्यवहार भी करने लगते हैं चाहें वो चोर क्यों न हो। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में एक क्रमिनल था, जिन्होंने जेल के लाईब्रेरी में महात्मा गांधी की औटो बायोग्राफी पढ़कर जज के द्वारा पूछे जाने पर क्या आपने यह क्राईम किया है वह बोलता है कि सर जो भी मैंने किया है यह गलती से किया है। इसके लिए मुझे जो भी सजा मिले मुझे मंजूर है। संस्थान कि निदेशक डॉ. वी. मुकुंद दास ने कहा कि हमारे संस्थान में इस प्रकार का एमडीपी दूसरी बार आयोजित किया जा रहा है।

Sanmarg ! Page.NO-03
Dated:21-12-2021

सीआइएमपी में बिहार जेल सेवा के अधिकारियों का छह दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

पटना (आससे)। चन्द्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को बिहार जेल सेवा (बीपीआरएस) अधिकारियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन गृह विभाग के सचिव के सेंथिल कुमार द्वारा किया गया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि जेलर को लेकर समाज में जो परसेप्सन है कि जेलर है तो वह किसी को भी जेल भेज देगा। आमतौर पर देखा गया है कि समाज में लोग जिसके साथ रहते हैं उसी के जैसा वह व्यवहार भी करने लगते हैं चाहें वो चोर क्यों न हो। उन्होंने आगे एक उदाहरण के तौर पर कहा कि महाराष्ट्र में एक क्रिमिनल था, जिन्होंने जेल के लाईब्रेरी में महात्मा गांधी जी की औटो बायोग्राफी पढ़कर जज के द्वारा पूछे जाने पर क्या आपने यह क्राईम किया है वह बोलता है कि सर जो भी मैंने किया है यह गलती से किया है। इसके लिए मुझे जो भी सजा मिले मुझे मंजूर है। फिर वह कैदी अपनी सजा काटकर बाहर निकलने के बाद सामाजिक सेवा पर काम करने लगा।

AAJ ! Page.No-04!
Dated:21-12-2021

कैदियों में बदलाव लाकर जोड़ें मुख्य धारा से

पटना. चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) में सोमवार को बिहार जेल सेवा (बीपीआरएस) अधिकारियों के लिए छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई. कार्यक्रम का उद्घाटन गृह विभाग के सचिव के सेंथिल कुमार ने किया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आमतौर पर देखा गया है कि समाज में लोग जिसके साथ रहते हैं उसी के जैसा व्यवहार भी करने लगते हैं. ऐसे में व्यवस्थाओं से कैदियों में बदलाव लाकर उन्हें समाज की मुख्य धारा से जोड़ सकते हैं.

Prabhat Khabar ! Page.No-07
Dated:21-12-2021